INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VII- 2nd Lang	**Department: Hindi**	**Class work**
Lesson-3 खानपान की बदलती तस्वीर	**Topic: - प्रश्नोत्तर और व्याकरण**	**Note: Pl write in your NB**

अति लघु प्रश्न-

प्रश्न1. दक्षिण भारत के मुख्य व्यंजन क्या हैं?

उत्तर- दक्षिण भारत के मुख्य व्यंजन इडली-ढोसा, सांभर-रसम इत्यादि हैं।

प्रश्न2. खानपान की संस्कृति में बड़ा बदलाव कब से आया है?

उत्तर- खानपान की संस्कृति में बड़ा बदलाव दस-पंद्रह वर्षों से आया है|

प्रश्न3. आजकल बड़े शहरों में किसका प्रचलन बढ़ गया है?

उत्तर- आजकल बड़े शहरों में फ़ास्ट फूड (चाइनीज,नूडल्स, बर्गर,पीज़ा) का प्रचलन तेज़ी से बढ़ा है।

प्रश्न4. मुंबई और दिल्ली के पुराने मुख्य व्यंजनों के नाम लिखिए।

उत्तर - मुंबई की पाव-भाजी और दिल्ली का छोले-कुलचे पुराने व मुख्य व्यंजनों में से हैं।

प्रश्न5. एक गुजराती व्यंजन का नाम बताइए जिसका जिक्र लेखक ने पाठ में किया है?

उत्तर - लेखक ने पाठ में ढोकला-गाठिया का जिक्र किया है जो एक गुजराती व्यंजन है।

लघु प्रश्न-उत्तर

प्रश्न 1. फास्ट फ़ूड से आप क्या समझते है?

उत्तर- फ़ास्ट फ़ूड एक प्रकार का व्यंजन होता है जो बहुत जल्दी तैयार हो जाता है। शहरों की भाग-दौड़ की जिंदगी में इसका प्रचलन बढ़ गया है। आलू के चिप्स और चाइनीज नूडल्स आदि काफी प्रचलन में है|

प्रश्न 2. खानपान की संस्कृति से राष्ट्रीय एकता का क्या संबंध है?

उत्तर- स्कूलों में लंच के समय जब बच्चे घर से लाए टिफ़िन को साथ में खोलते हैं तो अलग-अलग राज्यों के व्यंजनों की खुशबू से राष्ट्र की खुशबू मिलती है। लेखक ने इस संस्कृति को ही राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बताया है।

प्रश्न3. खानपान की मिश्रित संस्कृति ने हमें किसका मौका दिया है?

उत्तर- खानपान की मिश्रित संस्कृति ने हमें अलग स्वाद लेने का तथा दूर दराज़ वाले जगहों के व्यंजनों की जानकारी के साथ नए-नए व्यंजन चुनने का मौका दिया है|

प्रश्न4. खानपान की तस्वीर क्यों बदल गई है?

उत्तर- उद्योग-धंधों के कारण, नौकरियों में तबादलों के कारण, आवागमन आदि के कारण खानपान की तस्वीर बदल गई है|

प्रश्न5. स्थानीय व्यंजनों का पुनरुद्धार क्यों ज़रूरी है**?**

उत्तर- स्थानीय व्यंजन किसी न किसी स्थान विशेष से जुड़े हैं वे हमारी संस्कृति की धरोहर हैं। उनसे हमारी पहचान होती है। पश्चिमी प्रभाव के कारण हम इनको भूलते जा रहे हैं| इन सब कारणों से भारतीय व्यंजनों का पुनरुद्धार ज़रूरी है|

दीर्घ प्रश्न-उत्तर

प्रश्न1. खानपान के संदर्भ में मिश्रित संस्कृति का तात्पर्य स्पष्ट करें?

उत्तर– 'मिश्रित संस्कृति' बाहरी और स्थानीय व्यंजनों का मिश्रण है। मिश्रित संस्कृति में स्थानीय व्यंजनों और बाहर की पद्धति से पकाये जाने वाले व्यंजनों को जोड़ कर भोजन का एक नया रूप तैयार किया जाता है| इसे नई पीढ़ी द्वारा काफ़ी अपनाया जा रहा है। पार्टियों में और प्रीतिभोज में भी इसी तरह के भोजन की अधिक माँग हो रही है|

प्रश्न2. खानपान में बदलाव के कौन-कौन से फ़ायदे हैं? लेखक इस बदलाव को लेकर चिंतित क्यों है?

उत्तर- खानपान में बदलाव से निम्नलिखित फ़ायदे हैं-

1. एक प्रदेश की संस्कृति का दूसरे प्रदेश की संस्कृति से मिलना।

2. राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा मिलना।

4. बच्चों व बड़ों को मनचाहा भोजन मिलना।

5. देश-विदेश के व्यंजनों की जानकारी होना।

खानपान में बदलाव से होने वाले फ़ायदों के बावजूद लेखक चिंतित हैं क्योंकि मिश्रित

संस्कृति को अपनाने से नुकसान भी हो रहे हैं जो इस प्रकार हैं-

1-स्थानीय व्यंजनों का चलन कम होने के कारण नई पीढ़ी स्थानीय व्यंजनों के बारे में जानती ही नहीं है|

2- खाद्य पदार्थों में शुद्धता की कमी होती जा रही है।

3- उत्तर भारत के व्यंजनों का स्वरूप बदलता ही जा रहा है।

प्रश्न3. खानपान की संस्कृति का 'राष्ट्रीय एकता' में क्या योगदान है?

उत्तर- खानपान की संस्कृति का राष्ट्रीय एकता में महत्त्वपूर्ण योगदान है। खाने-पीने की चीज़ों का प्रभाव पूरे देश पर पड़ा है। उदाहरण के लिए उत्तर भारत के व्यंजन दक्षिण में और दक्षिण के व्यंजन उत्तर भारत में अब काफ़ी प्रचलित हैं। इससे लोगों में मेलजोल भी बढ़ा है जिससे राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा मिलता है।

व्याकरण भाग-

प्रश्न-1 दिए गए शब्दों के वचन बदलिए|

1	तितली -	तितलियाँ
2	कठिन -	कठिनाइयाँ
3	मिठाई -	मिठाइयाँ
4	जलेबी -	जलेबियाँ
5	तिथि -	तिथियाँ
6	संस्कृति -	संस्कृतियाँ
7	विधि -	विधियाँ
8	तस्वीर -	तस्वीरें
9	संतरा -	संतरे
10	रेखा -	रेखाएँ

प्रश्न-2 दिए गए शब्दों से भाववाचक संज्ञा शब्द बनाइए|

1	सज्जन -	सज्जनता
2	प्रभु -	प्रभुता
3	देव -	देवत्व
4	खूबसूरत -	खूबसूरती
5	सिलना -	सिलाई
6	कायर -	कायरता
7	जवान -	जवानी
8	कड़वा -	कड़वाहट
9	भ्राता -	भ्रातृत्व
10	तीखा -	तीखापन

प्रश्न-3 नीचे लिखे वाक्यों में उचित कारक चिह्न चुनिए|

1	अरे बच्चों! शोर मत करो।
2	पुष्पा ने रीमा को पत्र लिखा।
3	कृष्ण ने सुदामा की सहायता की।
4	बच्चे ने बोतल से दूध पिया|
5	अध्यापक ने बालक को समझाया।
6	सीता ने फूलों से रंगोली को सजाया।
7	अरे भैया! क्यों रो रहे हो?
8	माँ बाज़ार से बच्चों के लिए खाना लाई
9	वज़ीर को उसके पद से हटा दिया गया।
10	कंपनी के खिलाफ़ सारे हिन्दुस्तान में एक लहर दौड़ गई।

पत्र लेखन

संबोधन	संबोधन	अभिवादन	संबंधसूचक शब्द
बड़ों को	पूज्य/पूज्या, पूजनीय आदरणीय, महोदय, पूज्यवर, माननीय	चरण-स्पर्श सादर प्रणाम नमस्ते	आपका प्रिय पुत्र, पुत्री, भाई आपका आज्ञाकारी शिष्य, भवदीय विनीत, स्नेहाकांक्षी
बराबर वालों	प्रिय (नाम) चिरंजीव	चिरंजीव रहो	शुभचिंतक/शुभाकांक्षी
छोटों को	आयुष्मान	शुभाशीष आशीर्वाद प्रसन्न रहो	शुभेच्छु/हितैषी
परिचित	महोदय	नमस्ते	भवदीय/प्रार्थी
अपरिचित	महाशय	नमस्कार	भवदीय/प्रार्थिनी
अधिकारी को	मान्यवर		आपका/आपकी

प्रश्न-4 अपने बड़े भाई के विवाह में अपने मित्र/सहेली को आमंत्रित करते हुए पत्र लिखिए।
परीक्षा भवन,
भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर,
क.ख.ग शहर|
दिनांक: 10 जून 202-

प्रिय दोस्त/सहेली राम/रानी,
मधुर स्नेह!
मैं यहाँ पर कुशल हूँ तथा आशा करता/करती हूँ तुम भी अपने स्थान पर स्वस्थ एवं प्रसन्न होंगे| मेरे दोस्त/सखी, मैं आज तुम्हें एक विशेष प्रयोजन से यह पत्र लिख रहा/रही हूँ। मेरे बड़े भाई की शादी 15 अगस्त 2023 को होनी निश्चित हुई है।

आप सपरिवार शादी में आमंत्रित हैं। हम अपने अन्य दोस्तों/सहेलियों के साथ मिलकर खूब मौज मस्ती करेंगे इसीलिए तुम शादी में अवश्य आना। मुझे तुम्हारा इंतजार रहेगा।
घर में सभी बड़ों को मेरा सादर प्रणाम/नमस्कार और छोटों को प्यार कहना|

तुम्हारा दोस्त/सखी
क.ख.ग/अजय/राखी

खुश रहिए! स्वस्थ रहिए! मुस्कराते रहिए!